भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर में 'उभरती ऊर्जा संक्रमण में ऊर्जा पहुंच और सुरक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई

सतत ऊर्जा परिवर्तन के लिए भारत के पथ को संबोधित करने के लिए विशेषज्ञ जुटे

भुवनेश्वर, 18 मार्च 2025: भारतीय ऊर्जा कांग्रेस ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर और एनआईएसटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के सहयोग से 17 और 18 मार्च 2025 को "उभरती ऊर्जा संक्रमण में ऊर्जा पहुंच और सुरक्षा" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। आईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित सेमिनार में शिक्षा, उद्योग और सरकार के प्रमुख विशेषज्ञों ने नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण और नीति ढांचे के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की।

सेमिनार का उद्घाटन करते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने सैद्धांतिक चर्चाओं को समाज के लिए ठोस लाभों में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। आधुनिक दुनिया में "नेट जीरो एनर्जी" पर जोर दिया और इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आईआईटी भुवनेश्वर के प्रयासों को रेखांकित किया। सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के ऐतिहासिक प्रभाव का हवाला देते हुए, उन्होंने ऊर्जा प्रबंधन और स्थिरता को संबोधित करने के लिए अनुसंधान के वास्तविक दुनिया कार्यान्वयन की ओर बदलाव पर प्रकाश डाला।

आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने प्रभावी ऊर्जा परिवर्तन के लिए पारंपरिक ज्ञान को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया।

एनआईएसटी विश्वविद्यालय, बरहामपुर के संस्थापक निदेशक डॉ. सुकांत के. महापात्र ने नवीकरणीय ऊर्जा में बदलाव में चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रो. पी.के. भारतीय ऊर्जा कांग्रेस के महासचिव पारही ने ऊर्जा शोधकर्ताओं को एकजुट करने और वैश्विक ऊर्जा चुनौतियों का समाधान करने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रो. एस.आर. आईआईटी भुवनेश्वर में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस स्कूल के प्रमुख और सेमिनार के आयोजन अध्यक्ष सामंतराय ने उभरते ऊर्जा परिदृश्य में ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रिक वाहनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की।

इस अवसर पर भारतीय ऊर्जा कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. प्रवाकर स्वैन ने भी बात की। एर. भारतीय ऊर्जा कांग्रेस के कोषाध्यक्ष पवित्र मोहन साहू ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

विशिष्ट वक्ता डॉ. एम. वी. राव, अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल विद्युत नियामक आयोग, ग्रिडको से श्री महेश दास, श्री केदार पांडु, एमडी, ओपीजीसी, प्रो. ए.के. त्रिपाठी, पूर्व. सीपीआरआई के महानिदेशक और ओपीटीसीएल के निदेशक श्री पी.के. पटनायक ने ऊर्जा पहुंच और संक्रमण के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्दृष्टि साझा की। इस क्षेत्र में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ताओं द्वारा कई व्यावहारिक वार्ताओं के अलावा, दो दिवसीय सेमिनार में प्रभावशाली उद्योग-अकादमिक विचार-विमर्श भी देखा गया। जर्मनी के दो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोस्ट्रक्चर फिजिक्स, जर्मनी के निदेशक प्रोफेसर शिनलियांग फेंग और तकनीकी विश्वविद्यालय, ड्रेसडेन, जर्मनी के प्रोफेसर थॉमस हेइन ने भी दर्शकों को संबोधित किया और अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की। प्रोफेसर फेंग ने 'ऑर्गेनिक 2डीक्रिस्टल के साथ एक सतत भविष्य का निर्माण' पर चर्चा की। प्रो. हेइन ने 'ऊर्जा सामग्री के रूप में कार्बनिक 2डी क्रिस्टल' पर प्रस्तुति दी।

सेमिनार ने दर्शकों को ग्रीनहाउस गैस कटौती के लिए कुशल, लागत प्रभावी समाधान विकसित करने और ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति को बढ़ावा देने पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया। उद्योग, शिक्षा जगत, नियामकों और इच्छुक इंजीनियरों के प्रतिभागियों ने नवीकरणीय ऊर्जा, नीति परिवर्तन और नई ऊर्जा वैक्टर जैसे मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की भूमिका पर जोर देते हुए टिकाऊ ऊर्जा की बढ़ती वैश्विक मांग और परिवर्तन की चुनौतियों को पहचाना। सेमिनार में सफल और टिकाऊ ऊर्जा परिवर्तन प्राप्त करने के लिए आवश्यक तकनीकी, नीति और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रोफेसर सामंतराय, प्रोफेसर उमाप्रसन्न ओझा, प्रोफेसर एस के पांडा, डॉ. वेणुगोपाल अरुमुरु और आईआईटी भुवनेश्वर के डॉ. चंद्रशेखर पेरुमल्ला ने कार्यक्रम का समन्वय किया।